

**मार्क्सवादी** वि. (तत्.) अर्थ/राज. मार्क्सवाद-संबंधी, मार्क्सवाद का पुं. वह जो मार्क्सवाद के सिद्धांतों का अनुयायी हो marxist

**मार्केट** पुं. (अं.) बाजार, हाट।

**मार्ग** पुं. (तत्.) 1. आने जाने का रास्ता, पथ, राह 2. कोई ऐसा द्वार, माध्यम या साधन जिसका अनुसरण, पालन या व्यवहार करने से कोई अभिप्राय या कार्य सिद्ध होता हो 3. मलद्वार 4. अभिनय, नृत्य और संगीत की एक उच्च कोटि की शैली 5. गंधर्व संगीत की वह शाखा जो देशी संगीत के संयोग से निकली थी 6. मृगशिरा नक्षत्र 7. मार्गशीर्ष या अगहन नाम का महीना 8. विष्णु 9. कस्तूरी 10. अपामार्ग।

**मार्ग-कर** पुं. (तत्.) वह कर जो यात्री को किसी विशिष्ट मार्ग से होकर जाने के बदले में देना पड़ता है, पथ-कर।

**मार्गण** पुं. (तत्.) 1. अन्वेषण, खोज 2. प्रेम 3. याचना 4. याचक, भिखमंगा 5. तीर, बाण।

**मार्गद** पुं. (तत्.) केवट, मल्लाह।

**मार्ग-दर्शक** पुं. (तत्.) 1. मार्ग दिखाने वाला व्यक्ति 2. वह जो यात्रियों, भ्रमण करने वालों का पथ-प्रदर्शन करता हो।

**मार्ग-दर्शन** पुं. (तत्.) 1. रास्ता दिखलाना 2. पथ-प्रदर्शन।

**मार्ग-देशिक** पुं. (तत्.) संगीत. कर्नाटकी पद्धति का एक राग।

**मार्ग-देशी** पुं. (देश.) संगीत. आज कल का वह प्रचलित संगीत जिसमें ध्रुपद, खयाल, टप्पा, ठुमरी आदि सम्मिलित हैं।

**मार्जन** पुं. (तत्.) मार्ग अर्थात् रास्ते का निरीक्षण करने वाला अधिकारी।

**मार्गव** पुं. (तत्.) 1. अयोगवी माता और निषाद पिता से उत्पन्न एक प्राचीन संकर जाति 2. उक्त जाति का व्यक्ति।

**मार्गवती** स्त्री. (तत्.) एक देवी जो मार्ग चलने वालों की रक्षा करने वाली मानी गई है।

**मार्गशीर्ष** पुं. (तत्.) अगहन का महीना।

**मार्गाधिकार** पुं. (तत्.) वह अधिकार जो किसी मार्ग पर आने-जाने अथवा अपने आदमी या चीजें भेजने-मँगाने आदि के संबंध में किसी विशिष्ट व्यक्ति, देश आदि को प्राप्त होता है।

**मार्गिक** पुं. (तत्.) 1. पथिक, यात्री 2. मृगों को मारने वाला व्याघ्र।

**मार्गी** पुं. (तत्.) मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति, बटोही, यात्री स्त्री. संगीत. एक मूर्च्छना जिसका स्वर-ग्राम इस प्रकार है- नि, स, रे, ग, म, प, ध। म, प, ध, नि, स, रे, ग, म, प, ध, नि, स।

**मार्च** पुं. (अं.) 1. अंग्रेजी वर्ष का तीसरा मास जो फरवरी के बाद और अप्रैल से पहले पड़ता है और सदा 31 दिनों का होता है 2. सैनिकों आदि का दल बाँधकर किसी उद्देश्य से आगे बढ़ना या चलना 3. सेना का कूच या प्रस्थान। march

**मार्ज** पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. धोबी।

**मार्जक** वि. (तत्.) मार्जन करने वाला।

**मार्जन** स्त्री. (तत्.) 1. दोष, मूल आदि दूर करके साफ करने की क्रिया या भाव, सफाई 2. अपने ऊपर जल छिड़क कर अपने आपको शुद्ध करना 3. भूल, दोष आदि का परिहार 4. लोघ नामक वृक्ष।

**मार्जना** स्त्री. (तत्.) 1. मार्जन करने की क्रिया या भाव, सफाई 2. क्षमा, माफी।

**मार्जनी** स्त्री. (तत्.) 1. झाड़ू, बुहारी 2. संगीत में मध्यम स्वर की एक श्रुति।

**मार्जनीय** पुं. (तत्.) अग्नि वि. जिसका मार्जन होना आवश्यक या उचित हो, मार्जन के योग्य।

**मार्जार** पुं. (तत्.) 1. बिल्ली 2. लाल चीते का पेड़ 3. पूति सारिवा।

**मार्जारक** पुं. (तत्.) मोर।

**मार्जारकर्णिका** स्त्री. (तत्.) चामुंडा (दुर्गा का एक रूप) का एक नाम।

**मार्जारगंधा** पुं. (तत्.) मुद्गपर्णी।